

Fol. 96  
Size 15 x 11.5 cm

ॐ श्रीगुरुवर्यः ॐ नमो देवमीगल  
 मंभुरमे भद्रमिदं श्रीगुरोः पाद  
 कं नमः नमो देवीशेदिं बहुरं  
 भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं ॥ ॐ  
 हरे भविकभमा नया उषे ग  
 गनमा भगवा भिलेभभिल  
 कृता गले प्रभया भूते यद्वा  
 उपदेमा ह्येय ८९ ॥ प्रहमे  
 यनीउमदे सुहृदभगते भक्ति  
 ॐ भिमिष्टुते कृते तेन प्रभये ९



वङ्गनभा कुला न मुनिकुपिभृदि  
 मुनिभवेमा मणना मितामका  
 न मुनि भवेया किङ्कत मेया उप  
 मेमा ॥ वङ्गनभंमउमृमिवम  
 जीकुलाकुले यइभवभिदंलीन  
 भुपद्वेष्टंभंउउग ३ लला कुप  
 यभा लनरि कङ्कन लेभभा  
 दिना हृन्ना वराषा वेष्टेभा पङ्कग  
 पननिगारि मेया वेष्टेभा नका  
 भाषा ॥ लल्लंनित्तउप्रभवेष्टु

मङ्कगंविडभा इङ्कललेभयडुभि  
 इङ्कमेवौदुभिउः ३ मभमभाक  
 वेष्टेभा मभना वलि भूलेभा मी  
 भाउननियभा एग सुनकिमुभु  
 येगीभाललि येभा ललिपममधि  
 उभा हृदिमुका ॥ उउः प्रलदिने  
 पेनप्रष्टुष्टुष्टुनमीधिकं भुङ्क  
 वेष्टेभयउइमिङ्कुपेनिरभयः २  
 भग उ यवा येभ भंमेया एनेग न  
 देया भनेना दिना हृन्ना उराषा ॥







न  
व  
उ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
हृत्वा गलेन भूकमलोति मन्त्रा ग  
लेन भूतेमिडा मिडा गलेन किछ  
नकेति गया कुकुवाभुः विभलेन  
किष्ण ॥ हरेनैकमतेमन्त्रिभु  
गभिन्नैकमतेमिडभेव मिडनैक  
मतेमन्त्रेव पाष्टुमीदंगमुडिक्त  
पिभवे ७ उवा १६ मन्त्रा भ  
पग मति मला पला वापग  
दिग यदिएनया पगेभेपमा ३

मुका मुका पिमोपग दिमोपग  
दिग ॥ उडिभूमक्ति कभिडं प्रत्ये  
यंभुगदिदिः यदिएनभक्तं उड्य  
उडधिककडिः ० उडागलि भन्  
भाविमि भन्ना गलि भूतेमिडा मिडा  
गलिउ किन्ना केनि मुहभा मुह  
भिलेगगवा ॥ उडभवेलीयतेभन्ना  
व भन्नेमिडलीयतेभन्नाभलभा मिड  
लीनेलीयतेभन्नेवमन्त्रेमुहभुम्भ  
यतेमिडुडं ०० मन्त्र कन्त्रेग गहा



दिगिग दिग कंघा मधिन भवा  
 लेवा विन लीवा भगिन लीवउभ  
 रिउ भेया एवा ॥ मउमनभुभुति  
 नेवरुं मङ्गदकीडुउमेवलकु  
 लीवेलेकेनउभडुमेतिभाउभुनक  
 भिदिणउभाडुः ७७ येभया भमि  
 उभया धमि मृभगलमिविग रुड  
 भा केयेरुणा रिउकेम मिउमि  
 उभनाभमी ठभयिवा भयेभा ॥  
 यमेवधंडुउमेवउमेवमभमभधे

ल  
 व  
 ५

नियेऊंनियेहेकंभदगीइवयेहि  
 म ०३ मिवा गेउते केमवा पलन  
 भा इऊपायदगिना उलभिभा ये  
 गीयेगकलि भगएनविभा केभा  
 देवा मसुवण पिण मृदिभा ॥  
 मिवेसुः केमवभुभुधदलामडुकुभ  
 म भदयउंउइयेयः भमीकडुमि  
 वम ०८ मनादग पभुऊभा सु  
 हलया यभाउवा नवला नगीप्र  
 ग नऊपा सुदति नम विमउय



त्वे भेषा मेवा अश्वराग पिण सुति  
 भा ॥ मन्त्रादपमृपुपुत्रुहभुकिा  
 उभयः मन्त्रमृपेवलेणेनमृतिमु  
 द्भकेदिभः ०५ कुमिमलिलापरे  
 उ कुमिदिमि सिगया किउकिउ  
 विभक्त मेउहे रवा ठति मठा मभि  
 मिवभया मरमग एगा पमु ॥  
 भायएहंउहंउरेपिनीं मंभाह  
 एंउहंउहंउदिपु म्मुदमिदे  
 दिउहीलिभंहे एहंउकिंनीरभा

भूमितपे ०० मेवा वर मेवमेव  
 पिण उरुहेभा एकवर्ण प्रणकभा  
 कृता देहठए कग मन्त्रभा उपर  
 नभा मद्दु ॥ मेहंमेवोतिदिउहे  
 वयणे प्रएदेउंमेमिलतेउठिउे  
 देवमेयः मिदुर्पेविपेयं उद्दुपुं  
 धूलमिउेहमेव ०१ सुभाउला  
 पठनिभा मभमिभता वभा पेरा  
 नदिपि यडेमकठकु सुभा मकु  
 उभा मभा मला हुना पियि ॥



प्रवृत्तं भद्रं भूति कस्य च न भद्रं  
 नः भानि हृमि हृमि भीतिं गेति हृमि  
 नैयसा ७३ मस्तुता सुयत गस्तुता  
 गति भक्तने गति मिता हृमि गसा  
 योगसुय उरे गस्तुता गति किता न  
 उ किता किता हृमि ॥ एता  
 गता कील उरे हृमि एतेव भययोगम  
 नयकदः भमगता भयता वत  
 गतु हृमि वेद हृमि किता ७७  
 भेदता मिता भयता लता एते

उ कले हृमि वने हृमि सुभा येभा  
 येवे हृमि उभा उवे हृमि भेता हृमि  
 उहृमि हृमि ॥ एता भयता  
 वति हृमि हृमि हृमि हृमि हृमि  
 हृमि हृमि हृमि हृमि हृमि  
 हृमि हृमि हृमि हृमि हृमि  
 हृमि हृमि हृमि हृमि हृमि  
 हृमि हृमि हृमि हृमि हृमि  
 ॥ निता हृमि भयता हृमि हृमि

ल  
 (७७)



जंविविपैः शुभ्रैः नरुभयधुष  
 वविभं विमुहरेणभाउपानभुभु ३०  
 दिना किपिडा गणना सुभि कुत्ता  
 गगनभा केने विकभि मद्गका  
 गुमेग भावभि मित्रधराग सुका  
 सुद्धभि ३१ नमंगउकोपलभानभ  
 लुभेयकपहुगानीविठति पद्म  
 मद्गः मित्रधरागनीनः भयद्गङ्ग  
 भउषभद्गः ३२ भनभा भनठवभभा  
 कुट्टिया केण निगिडा नगहुणा लि

ण लल्लुडा कुन केदि डलि डलिडा  
 डेलन मका ॥ कूडंभनेवकिभभनहु  
 पं डिगभुंठगनउविठति विपारतः  
 भवविकारनीनं विमुहरेणैकभुहु  
 पमेव ३३ मीला उभवा हेषनहे  
 रुद्धि भुहयभेगैधल्लयहुववा  
 दंभु येभा भभा कलगधि डेयभा  
 उगि भेसुडा निदला ॥ मीलभुभा  
 नधुमरकलठैः डेवमकुंनिभु  
 लविणडभा वपुंकरल्लसगरांम



उक्त येः सकृत्तुभुषितं भुषीतेः १ ५  
 सवर्ग सवर्ग समिकला वेलाभा  
 पूरुग देलाभा पवनभुते नलकि  
 नभिवले पुठे रोभु मकुं रेलठे  
 भा उभिभुते ॥ कभकिंकननभु  
 भेउहिहभा उं रोभयं भयभुभा  
 भुलादिगेण दुरुतिं मठका भनसुद  
 सुमिवणभनं ३५ मिडुगगे ग  
 गने इभवने निभेयमकि ठकि येण  
 नलका मैउहेवगि यभेगएग ऐभा

ल  
 क  
 उ

भुला सुभवा देलीग भुला ॥  
 मिडुठिणः भवगतिभुगदः कृत्तु  
 देवेणनलकृगभी पदेउपेद्वलवि  
 वेकवन्न वेदुतिरायुसुयथकृगेणग ३६  
 पिन गज्जन वेमि भवा उरे इग ये  
 भवा इउ उभा गया पयु मभु ठे  
 लाणि यभठण कृगे भेदुन थोउ  
 पटलभु ॥ पयन दुयल्लुहभिने  
 यभुगउइमं भभेउनेइमलठेइगल्लु  
 इकुंदिभेदुलः ३७ यवकुग मलि



उभा सुभग किउ कुण यवमलि उ  
 भा सुभग सुवा मिउरुध सुविम  
 उभा पिउ मिउ देवभा वरा रुका  
 वरा ॥ मीउकुं वभनंगुरुं कदुं व  
 भनउषा भनेविवेकिउनेयभलेगे  
 उमिउरुग ७३ भदणभा मभ उ  
 दभा ने गहि उहि पुवाण भकि  
 उग भलिलभा लवना एग भि  
 लंगगहि उरिहे रुलुग भदणवि  
 मण ॥ सुठवललेउममेभिकरल

उषदभा किउभंगविवेकः नीरुकरु  
 धंलवललयसठवे उषेकउपुवधि  
 नेधलहः ७७ लेठा भनेग भदण  
 विमणेने मूगेरुनेने कल्दग इवा  
 नेम हेया उ देग भवा सुगले सुह  
 भा सुह भिलेग सुवा ७० लेठरु  
 वेभनभंमउव रुदेनिहंभभुठवव  
 भवः सुह सुहनेवकिउंयमेवं उ  
 भदंउरुदुठदिच्येव ७० भउ  
 भा एग भला मलेभा भनभा मरु



भि लठेभा एतभा एता भेयनि  
 दिवेभा नेमा पानभा भवेया भेया  
 उ कुवा किना ॥ मिडमनेनिमल  
 वंभयते भेदुमभेयानेप्रहठिः  
 मभेदेवःभुभुभेभयभो नदंनंइते  
 वयंयप्रभाहुः ३० किनाठिकुनि  
 मिदते वेदकिपुता वेदिना निभग  
 पिवाकिना ठिकु भवा कगेग सुप्र  
 उ किना गदना कलोग उ अक्षिया  
 कक्षिदुभुभेपिबिभुपव कक्षिदु

वडुपिमभुप्रडनुः भुभेभिकक्षिदु  
 सुमिदंतेभे उकुभियंमभुपगःभुप्रः ३१  
 इममग भभुना यभा देवभा पने  
 नभिका पवता सुप्रदग रवा भका  
 कलना सुतिदमणे भुयंदेवाउवा  
 सुवता कभा येइममभुभुयभेवक  
 लिउ भेदेदिउदेवगदेभुयंभुः  
 भभुगयदुलठवंभमदंते यभुदु  
 कुतःभकभवयेदुपः ३२ सुकेवा ३  
 इग यभानठिपारि भेया इरुइभा



भोभागि सकेषा भवा येभा मित्रा  
 करि उभा भभा भवा कम्पिता ॥  
 सुदृक्पुनरिहियेननिह भेदुताये  
 भवाकेपयेयं रुद्रमिहंतिभवेक  
 भवं किंउष्टुष्टुष्टुष्टुविपेयं ३८  
 भंभाभा सुयभा उपमे रोपप्रकमा  
 लहेभा भद्रभा भगिभा न केकाउ  
 भग्नकेभि भग्निका उ लभनिका  
 ॥ सुभट्टभंभाभदंवाक शशुवि  
 सुहंभद्राणंतेपं भियेकष्टुपिनके

धिमेव भद्रभाउभंशुडिउष्टुपे ३५  
 पुष्टया गीकुता गस्तुता भद्रभा ग  
 रिन भद्रगमता भले मित्रा पंगु  
 भनिष्ठलापुमे दिनेका सुगदूभने  
 नीले यत्रभेकेकपियभद्रभी  
 भद्रभिनभीकुवगदूयति मित्रकभा  
 हेनभलहउते अचभुलंठहडिनील  
 भद्रभा ३९ भवता भद्रभा येभा  
 सुनिवगि उभा कुन भद्रभिन उष्टु  
 द्रभा उयभा कंगेता सुडिना गगि







ले  
क  
०३

अथप्रथममन्त्रवर्गाष्टं भुवःप्रथमं  
ननुकंसमन्त्रं भोगाष्टमन्त्रं लभमन्त्रं  
यसमा २० सुयमा कभिमेम कभि  
वति यमेना गभिभा कभिमेम कव  
एतवगं यतिमाया लगेभा यतिहभा  
हनेभा दकभा कुमभगं ॥ कय  
दिमकेनपसागउदं पसादुभिष्ट  
भिकयषकेन उंगतिवेदिनिर्गति  
उभदुक्तुमभरेलपतिठलभि २०  
गगना प्रया कुउला प्रया प्रया दिना

पवना उ गवा अद्या मन्त्रे भुवा प  
हे प्रया प्रया भकलेया उ लगेशि  
या द्वा ॥ सुकमं कुच'युव'भेनल  
प्रगदिप्र'दुप्रुतिभचं उमेव इक'द  
इदुधमअदिमं उ इदुएउं नैव  
किप्रिन्नठेदं २३ यमे लेग उभम  
वाभरे उभया भरेग लगेनेदभा  
यमेभरणा उं प्रुग गति उमे भुगेवि  
मेनेभुभा ॥ कभेलेठेदुतिप्रिपिये  
न यत्र'कुच'भगिभजंमेवः उनेवेक



नैवृणभलसु भवेत्तुं न भवतु  
 वरुं २३ भवमा लगेग रेदोण  
 भिप्र भिमिउ कडाग लेभेभा कुदा  
 सुभभा भला यलि देवेभापा भिप्र  
 भिमिउपावभा देवेभा कुदा ॥ भ  
 यद्विभेदेमभिपन्नउभु भप्रहपि  
 इभिप्रिभंभदेम उपपिनिद्रुवि  
 गेपुपं सुदहविमिउिभपगउद  
 भा इह कदायभा ककाउउ ह  
 वेयभा नये मेकदे भपदे हह

ले  
 व  
 ०५

भा विवि सुहग नया गलि विदेने  
 हले मयवया सुभि हिया कडिविभि

२५  
 उमा भमा डिला मीभा उभा नग  
 धि येभा भदुव गुककषा भविदि  
 य मकदेभुरि भवहउडि भ मये  
 रिभपराहिया ॥ ५५५दिकेइहभि  
 देउउभु प्ररभप्रहउपयेगकिहिंग



गुणपद्मसामुद्रिकयामरुद्धा भद्रा  
 चतुष्टयविभुद्धपुद्ध २० सुभि ५  
 द्वि एभि एभि विषया भव करि  
 गीकृत् वदने वदनेभा वने सुभि  
 नमस्तेऽथग एग उग ॥ भवंमद  
 भुवि विपं विपेयं कुचतुभवं भगव  
 भवभा पद्मद्वन्द्वविणा पद्मद्वन्द्व  
 लुत्तपद्मसत्तुगभजलन २१ यद्गदि  
 भगवथा दलेन विमि उगभवि भ  
 कलेयामे दृग भग भगला गले

[illegible]



१/५३

धरायलउदिभजे म्भ भलभिउकि म  
लेभा ह्नेगग पठभा कठरा तिले लल  
नवा मूभा भियलिनेला रवेभभा उ  
॥ उउरमधुवगल्लिदुयः सुउंभवरे  
वठविष्टीति ठङ्कयमउनिमभंवि  
धु ललेतिलेकेधुविउममं म्भ  
इयनिदिभभाभग भवभा मुकिनि  
दिभभा मुत्रभा ह्नेया दगभाप  
केभर मुका मेभा भवभा भडिनिदि  
भवभा मुट्टकग ॥ वठइयंतीव

भयंभगभि उवेकवगभवकमनी  
नभा मुकमभट्टपिममुउनि  
भगभिमुट्टायलभउवगभा ५  
राग एयभा उउं ऊउं कठेवा  
उमभा वठल्लेमा दिउं म्भरु  
एनिवउ उउं मिवा ह्नेया वनेउया  
मिना उपममा ॥ ५ भमंल्लेममुं  
विनीय एउंभलजेष्टनयादिभउ  
उभा यहेविउः भेगपियनगः श्री  
कधुनलह्नेमगउंमुंरेः मिवभा ५०



भयेमिलकृपा पदभा ३ पी०भा  
 भये मिलकृपा उडभेमेमा भये  
 मिलकृपा मेठवनेभा भूएभा  
 मिवा हेया केण उया मिवा उथ  
 देमा ॥ यथामिलेकैवभुएतिठ  
 दडा पी०मिवाविठकुपठमि  
 नी उषेवयेनउउयविठति क  
 सुवलहंमगुंरुःमिवभा  
 ५३ भयेभउकुपी पया दयि भ  
 यठदकुपीकगिउलभा भये

ल  
 क  
 ७

भयकुपी स्तीवा ठगि मिवा हेया  
 केणमिवा उथदेमा भरुभुउपेलप  
 यःभरुठदभुउपेलविलभक  
 गिली यमुद्रिगुंरुभुउपमति क  
 सुवलहंमगुंरुःमिवभा ५३  
 कद्रिवा गदउलि कद्रिवा वनरभा  
 यषेया उषेया सुभा भनभा देवग  
 भभएलाकाभभा हंहेय भलेनेउया  
 भेवउया भभा ५४ गदुनितभेनवि  
 भेकदेउ चनेषवये गि वदेःभमिधुः



पियनिमंशुद्विभक्तपदे दृष्टाभित्त  
 इंधवमेकपयः ५४ इत्युक्तं पयमे तु  
 ग भक्तुवा रुवर्जभित्त इत्यने उपपत्ता  
 या कर्तुं पयः कृता कव कृत्ते कदा  
 कव उते ५५ सुतेममेतुभयमेतमेकं क  
 रुतेतेभित्तकवंपयः कदा इत्युक्तं  
 भक्तुवा उतेभित्तकिभयकृत्तुमी  
 उः ५५ नतिभक्तुमा मिग सत्तवते  
 इत्युक्तं भक्तुमा मिमिगेन भाषा इत्युक्तं  
 भा कियान्न वक्तवते उवया कदा

गवा कृत्ते कदा गवा उते ५६ नक्तु  
 कृत्तेमला ०४ इत्युक्तं कृत्तुमत्तुमि  
 मिक्तुभक्तुमा कदा इत्युक्तं भक्तुमा  
 पयः भित्तुत्तवंपयः भित्तुत्तुः ५७  
 कदायमा कव उ कृत्तेया यमा नले  
 मेकदा भक्तुमा इत्युक्तं भित्तुत्तुः  
 या गलिविदने इत्युक्तं कृत्तेया नया सु  
 भित्तुत्तुः कियान्न कियान्न ५७ भित्तुत्तुः  
 भित्तुत्तुः कदा कदा कदा कदा कदा  
 उक्तं कदा इत्युक्तं गवा भित्तुत्तुः

५७

नक्तु



गवा ऊरुने ददा गवा उते ५० नहु  
 किउमला ०० गिउ ५० नहु  
 मिउउभाउभा द ५० नहु  
 पावः भिउउउउउभुनिहिः ५० नहु  
 क ५० नहु क ५० नहु यभा नले  
 भेउउभा भेउउभा ५० नहु निहि ५० नहु  
 या गलिविदने हले कया नया ५० नहु  
 भिउ द्रिया कडिविभि ५० नहु भिउउ  
 भुमु उउभा कडि कडि कडेभा कडि  
 उल्लभा कले शीवा निगेग मलिभा



पियनिमंश्च विभजयते दृष्टभिरु  
 इंधवमेकपायः ५२ उग्रधरमेव  
 ग भक्तुवा रुदतीभिः प्राणैः उपहृ  
 या कर्तुं प्रकृता कव कुम्भे नना  
 कव उते ५५ सुवेभमेतभुधमेममेकं  
 रुधवेभभिकरं यतः ननु उहतेभ  
 मभाष्टुते उहेभिरुकिभयद्रुभमी  
 उः ५५ नठिभुनभा मिग रातवते  
 इकभुनभा मिमिरेग भाण वक्रु  
 भा किय ननु वरुवते उवया कृता

ल  
 व  
 ५३

गवा रुम्भे दन्ता गवा उते ५० ननु  
 किंतेमल ०० गितुधुद्रुममकुम्भि  
 मिगुभारभा ननु ननु भुधद्रुम  
 धनः भिद्रुतुसवंभुनिदिः धुम्भिः  
 कद्रुयभा कन उ हनेया यभा नले  
 मेहनेभा मेधना इक्षभा निवि मद्रु  
 या गलिविदने हने हया नया सु  
 भिउ द्रिया कडिविदि ५१ भिरे  
 भुम्भे द्रुतेभा कद्रि कद्रि कवेभा कद्रि  
 उल्लभा कले शीवा निवेग मलिभा

५०



कदि कदि करिगभा नभेग उ मभा  
 ५३ गुग्गुलु लेडभा धने धनभा कि  
 थो लुनभा लोभा न केदाव ल  
 या करे धवनभा वसुभा भयाप  
 नभा ठगग धल सुवन केदा ५७  
 येये कग कग्गे सुवन उभनिये उ  
 सुगिभा उया भजा येये लेढेभा देद  
 भा धगिभया मेमे मिदने उडा ६०  
 मिडा मभर धविषवे शिन्धु उइवेग  
 लगिन्धु डडिउउ सु कदिग भुग्गेशि

ल  
 व  
 ५३

का दमेमेहे ऊहुन उडि १०  
 सुन कुन दिवा नउ धन गेपसय  
 भवशिधि धग्गेग यहनठे किडा  
 उहुनया गया भठा लये थय धमे  
 ग १३ गहुभा ठले यमे कउला इ  
 हु ५६भा ठले उपा उदवा भदलभा  
 ठले यमेगुरुकषा धले धयभा ठ  
 हु भदलभा १३ भकलि उहुडा  
 केनिनलठग ठरुवमा लसुभा  
 दिवभाडि उमेनिन्धु रम सुमेमेदा



लरुना उभा मेवभा सुवभा सुक  
 ति ५८ सुभिता भिता डरागा ५९  
 गिली सुयेशता निरुता मेव विम  
 लभा ५९ विरुगिली ५९  
 सुवभा हे पदया ५५ पदेवभि  
 एग भ मेयिदि भंभाभा ५५ ग  
 थमसा यमिना भवध एपा केगपि  
 का मेउन भदिप्रमकग ठका ५६  
 भावना पछि सुकग मेशि सुतना  
 हेकुउसुग वभा भलिल प्रल सुक

ल  
 व  
 ५

ग करेगि उता केता सुलता भला  
 कभा ५९ सुता भेदविदि पदे ठव  
 भवहे कछा न थछा कछभा ५९  
 लालभा केमेभि दिठेय पदुविग  
 का ५९ येभया सु मरुता सुवभा  
 सुवेरुभा सुदेता ठमेता गने सुति  
 केमा उभया भवेता भमस भेदभा  
 मिवाहेया कमेमिना उपदेमा ५९  
 एविद वरुमला भता गहेता महेता  
 वहुता कुहेता केमा एविद सुभाउ



भायना गङ्गुग मिवा हेण कपू  
 मिवा उपमसः १० मिनेग यमिग  
 मलेग कुते अणेग यमग अष्टेनगल  
 मा पिनेग उमाग उलेग कुते मि  
 वा हे कपूमिवा उपमसः १० गेपु  
 वे उमग ठगेभा केमिनकेगेभा उलेय  
 भा भेणेवा पिर भमगेभा गङ्गुग के  
 भा परमेमेसा ११ वनावभा नणेग  
 भा कतिवा भट्टभा भेकभदभा  
 हेदगेभा मेधा अमणेवे नेमिवा भेभा

ल  
 वा  
 १०

येदया गङ्गुग केमेभा परमेसा १३  
 पिन पिन कगना केनेनवा वडका  
 नपिनगकाणा मुदुगुगी भमेया  
 पिउया भमेउमुगदका भभनया  
 येयया मलनया उगे १२ येयेकभा  
 कगभेपानभा मि२० नलि ठियेभा  
 केभा मउ मउदा गेयिभा पानभा  
 येमु गकडा उगेहभा १५ भगेभा  
 नभलीउ केगेभ भाना भिमुवा भीन  
 भंभ मुदुग कति कदिभिदुदि



भविभा कुलभा पित्रभि १० केभेद  
 धि इद्रुलउ तवा भिकेभे गभे गभा  
 न लभेकेभे लभे भेरुलद्रुग केभे  
 पित्रउ भावा लभे केभे लभे द्रुग  
 द्रुग ११ वरुला गभे गभावा लभे  
 भद्रलभे भेरुलद्रुग मद्रा पित्रवा  
 उ भावा लभे भद्रवा लभे द्रुग  
 ग १३ भद्रभ सुगुया पभेवेवगि  
 शिपेभा मग मलिभा न एका शिपे  
 या इपे कद्रुग एगि प्रगियया मद्रा

लगिभा द्रुग १७ मद्रा मद्रेहेएउ  
 मने मद्रेभा मनेहे धग गरिद्रुभा  
 वरुलेवभा केरियेभेमने मनेमभ  
 ने केयभा गनेहे दिवभा उ० द्रुग  
 करेगिभद्रुपिद्रिद्रुभा द्रुगभा उवने  
 मि द्रुगपि द्रिद्रुभा गुलभा पत्रे  
 द्रुगकरेगि यगिभुभा भुभा उ  
 वनेमि द्रुगिभुभा पत्रभा पत्रे उ०  
 डि०भद्रे मनेने एद्रुग यभेपेनि  
 द्रुगग सुद्रुग केग यभेयडिद्रिद्रु



भा मित्राउ कदग भेउग सुदग  
 गच्छेग धिवा उ१ विउवे विउग  
 गक्षा केउग पभेग गोभा पगुना  
 नठभिन्न ठउन्नउउ न लठिभा  
 उन्नवा उ३ उ३ ममनकीदिउ उ  
 ला पिउउगभा किषगना उ३ गो  
 वा समिकला विपुलेग गोवा सुट  
 भा सुटभिलेग उ३ हलासुगभेय  
 निगभेभकि लगिठग उ३ येवेउ येव  
 कग गहुदुत्र देया रला सुकग भे

सु०भहु केहुन सुपुदसा भेभ  
 येभउ पपगहु उ३ सुपुदसा उ३  
 वदसा न ठलमेभा सुदन केहेउउ  
 ठलेठदग नठल ऊकण मिवा  
 केया पलिषलि गवागना भवा एग  
 दिउउ भभला भना शिपे सुया छेप  
 उ धननेया पना पगएग मरुहेया  
 भदिठभा भउएनेएग उ३ सुमेव  
 गदसभा पग सभा वसाप मिउेव  
 म्मोपा कहेगना मथ सुमेव ठेउ



भेषा वराणा कलुषा कमेकरे  
 भृष्टा उ कमेकरेयथा ३७ भिभृष्ट  
 हृगं त्रिकुण मपेति गायत्री सुधा  
 क्षिति मित्रः भुजा उभक्त नवकुण  
 रपेति क्षिणले उभृगं गेह्लि  
 भुजा वभृदिमयेता भेमुता कगेति  
 येहवेति पभेष्टना ३० नदि  
 भुनभा भुनभापुष्ट मधुमलभा  
 धिण मेतिभा सुधा उद्विष्टे यभा  
 एहवष्ट येरिया निवभा

भवतिभना ३० उउ भेषमा लठ  
 का भद्रा येना मपेति पभेष्टना  
 मिवा ललादि दिराता वल मक  
 मलभा मधुमल मपेतिभुना  
 इदिये कवभागरतन कभेभमे  
 पिता मेषेपाना भिलेगु उभा उ  
 गकि मुद्रगन येना मपेतिपव  
 भेष्टना ३३ नृणा भृष्टभिराला  
 किगभले भभा ममेगकगेग भ  
 नभमे यभेउया कयभले पवेग





94



**NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS  
MANUS DATA**

DSO 0000/5962 S-771

Record No.	Organization / Individual 5962
------------	-----------------------------------

Name of the Institution Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection	

Title of the Text Lalla vakyanī	Bundle No:..... Acc. No./Manuscript No. 961
Other Title	
Author Lallawari - [See - 1st page]	No. of Folios 25 Pages 50
Commentary	Size of Mss. (15x 11.5) cms Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Commentator	Missing portion NO
Language Sanskrit	Illustrations NO Complete/Incomplete
Script Sarda	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Key words	Colour of Manuscripts cream
Subject Dharma / upadesa	Remarks Bound good

20/11/05